हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, गुरुवार 26 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

11 वार्षिक उत्सव पर हर्षोल्लास से निकाली श्रीराम बारात,

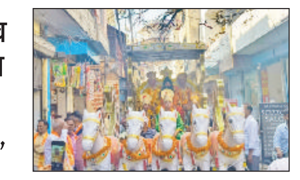

12 जींद से मोहाना तक दौड़ी हाइड्रोजन ट्रेन

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समिति की बैठक आज

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि 26 फरवरी गुरुवार को दोपहर बाद तीन बजे लघु सचिवालय के तृतीय तल स्थित सभागार में आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री तथा जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति के अध्यक्ष गौरव गौतम करेंगे।

बजाना कलां में ट्रांसफार्मर चोरी

गन्नौर। बजाना कलां खेत में लगा 16 केवीए ट्रांसफार्मर चोरी हो गया। पुलिस ने बिजली निगम की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिजली विभाग के एरिया इंचार्ज संजय, एएफएम ने बताया कि गांव बजाना कलां निवासी राजेंद्र पुत्र करतार सिंह के खेत में लगा 16 केवीए ट्रांसफार्मर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर लिया गया। चोर ट्रांसफार्मर को खोलकर उसकी अंदरूनी कॉइल निकाल ले गए, जबकि तांबा खेत में ही पड़ा मिला। इस वारदात से निगम को लगभग 62 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। शिकायत मिलने पर पुलिस चौकी खुबडू झाल की टीम मौके पर पहुंची और मौका मुआयना कर थाना मामला दर्ज किया गया। जांच अधिकारी एसआई जगदीश ने बताया कि पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

पेड़ से टकराई बाइक चालक की मौत

गन्नौर। गन्नौर से रामनगर लौट रहे एक बाइक चालक की सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना मिलने पर बड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक की पहचान लाखन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गौतमबुद्ध नगर का रहने वाला था और वर्तमान में रामनगर में रह रहा था। बड़ी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि लाखन अपने दोस्त की मोटरसाइकिल लेकर किसी कार्य से गन्नौर आया था। काम समाप्त कर वह वापस रामनगर लौट रहा था। जब वह शंकर रोड स्थित धर्मकांटे के पास पहुंचा तो अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में लाखन को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मामले की जांच की जा रही है।

हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी की परीक्षाएं शुरू, आज दसवीं के गणित का इम्तिहान

68 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा में 12वीं कक्षा के 15104 बच्चों ने दिया अंग्रेजी का पेपर

■ सात उड़नदस्ते रहे अलर्ट, उपायुक्त ने कई केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ बोर्ड की परीक्षा में नकल का कोई केस नहीं

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) की ओर से विद्यार्थियों के ज्ञान की परख करने के लिए बुधवार को कक्षा 10वीं व 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ की गई। बोर्ड परीक्षा के पहले दिन जिला में 68 केंद्रों पर कक्षा 12वीं का अंग्रेजी विषय का पेपर रहा। कुल 15385 में से 15104 विद्यार्थियों ने कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच सीसीटीवी की निगरानी में पेपर दिया, जबकि 281 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। उधर जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने परीक्षा को शांतिपूर्ण व नकलरहित संपन्न करवाने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखे। केंद्रों के बाहर जहां काफी पुलिस बल तैनात रहा, वहीं उपायुक्त सुशील सारवान, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया के अलावा उड़नदस्ता की टीमों ने केंद्रों का निरीक्षण किया।

परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर आए विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। ज्यादातर विद्यार्थियों ने कहा पेपर आसार था, सिलेबस से सारे प्रश्न आए। जिला में इस वर्ष कुल 31102 विद्यार्थी कक्षा 10वीं व 12वीं एचबीएसई की परीक्षा देंगे। पिछले इस साल दोनों कक्षाओं में एचबीएसई की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या में 4353 का इजाफा हुआ है। वर्ष 2025 की बात करें तो जिले में 76 केंद्रों पर कुल 26749 विद्यार्थियों ने एचबीएसई की कक्षा 10वीं व 12वीं की वार्षिक परीक्षा दी थी। सोनीपत में कक्षा 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 82 परीक्षा केंद्रों बनाए हैं। परीक्षा को लेकर केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

जिले में बनाए गए 68 परीक्षा केंद्रों पर बुधवार को कक्षा 12वीं के 15385 में से 15104 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पेपर दिया, जबकि 281 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। अधिकारियों की मानें तो सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से पेपर संपन्न हुआ। वहीं एचबीएसई बोर्ड परीक्षा के तहत वीरवार 26 फरवरी को कक्षा 10वीं के विद्यार्थी गणित विषय की परीक्षा देंगे। परीक्षा की अवधि 3 घंटे ही रहेगी।

सोनीपत। मुरथल अड्डा स्थित परीक्षा केंद्र पर सूची में अपना रोल नंबर ढूंढते विद्यार्थी।

सोनीपत। गढ़ी ब्राह्मणान के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते उपायुक्त।

जिले के आठ परीक्षा केंद्र संवेदनशील

जिले में कक्षा 10वीं व 12वीं की परीक्षा के लिए विद्यार्थी कुल 82 केंद्रों पर पेपर देकर अपना भाग्य आजमाएंगे। इनमें से 8 परीक्षा केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। हालांकि कोई भी केंद्र अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। गोहाना में सबसे अधिक चार संवेदनशील परीक्षा केंद्र शामिल हैं। सोनीपत में जहां कुल 36 परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थी एचबीएसई बोर्ड की परीक्षा दे रहे हैं, वहीं गोहाना में 26 परीक्षा केंद्र, खरखौदा में 8, गन्नौर में 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

केंद्रों के बाहर सख्ती, विद्यार्थियों के अलावा किसी को नहीं मिला प्रवेश

सभी केंद्रों पर परीक्षा को लेकर दोपहर 12 बजे विद्यार्थियों की भीड़ एकत्रित होने लगी। अधिकतर विद्यार्थी परीक्षा देने के लिए अपने परिजनों व शिक्षकों के साथ केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा केंद्रों के गेट पर तैनात पुलिस बल व शिक्षा विभाग के कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र दिखाने के बाद अंदर जाने की अनुमति दी। विद्यार्थियों के अलावा किसी बाहरी व्यक्ति या परिजनों को केंद्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। सभी केंद्रों पर ठीक दोपहर 12:30 बजे परीक्षा प्रारंभ की गई। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे परीक्षा देकर विद्यार्थी बाहर लौटे, तो उनके चेहरों पर खुशी नजर आई।

मुकदमा वापस लेने से मना किया तो चेहरे पर मारी गोली

■ बड़ी गांव का मामला, रोहित ने अनमोल के खिलाफ दर्ज करवाया था झगड़े का केस

गन्नौर। गांव बड़ी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर गोली चलाने का मामला सामने आया है। घायल ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बड़ी निवासी रोहित ने बताया कि उसका गांव के ही अनमोल के साथ पहले झगड़ा हो चुका है। इस संबंध में उसने आरोपित के खिलाफ बड़ी थाना पुलिस में शिकायत देकर मामला दर्ज कराया था।

उसी केस को वापस लेने के लिए कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन वह समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। आरोप है कि आरोपित लगातार उस पर केस वापस लेने का दबाव बना रहा था। मंगलवार रात रोहित अपने दोस्त को छोड़कर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपित अनमोल ने उस पर फायर कर दिया। गोली उसके चेहरे पर लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

बड़ी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। जिले के थाना कुंडली की पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने की घटना में संलिप्त आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान सुजीत निवासी हलालपुर हाल कुंडली जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जनवरी 2026 को दिल्ली निवासी एक युवती ने थाना कुंडली में शिकायत दी थी कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच महिला निरीक्षक कविता द्वारा की गई।

जांच के दौरान पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराए गए तथा महिला विशेषज्ञ और लीगल एड के माध्यम से काउंसलिंग भी कराई गई।

डीटीसी कर्मचारी के हत्यारे को उम्रकैद, 8 हजार रुपये जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ पिपलीखेड़ा में 18 फरवरी, 2021 को पैसों के लेनदेन को लेकर गोली मारकर कर दी थी रोहताश की हत्या

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सिंह ने पैसों के लेनदेन में डीटीसी कर्मी की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को उम्रकैद व आठ हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर चार माह अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। गांव पिपलीखेड़ा निवासी अरुण ने 19 फरवरी, 2021 को पुलिस को बताया था कि उनके पिता रोहताश दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में कार्यरत थे। 18 फरवरी, 2021 की देर शाम को उनके पिता रोहताश घर पर मौजूद थे। उसी समय उनके गांव का पवन उनके घर आया था। वह उनके पिता से रुपये मांगने लगा था। उनके पिता ने रुपये देने से मना करते हुए उसे घर से निकाल दिया था। उसके कुछ समय बाद उनके पिता पशु बाड़े की तरफ जा रहे थे। जब वह गांव के चौक पर पहुंचे थे तो उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई थी। वह चौक पर पहुंचे थे तो उन्होंने देखा कि बाइक पर सवार पवन उनके पिता पर गोलियां चला रहा था। उसके बाद वह भाग गया था। उन्होंने अपने पिता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से दिल्ली रेफर कर दिया गया था। दिल्ली ले जाते समय उनके पिता की मौत हो गई थी। उन्होंने बड़ी औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने पवन पर पांच हजार रुपये का इनाम भी रखा था। बाद में 20 नवंबर, 2021 को तत्कालीन थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार की टीम ने आरोपी पवन उर्फ सोनू को पानीपत के पट्टी कल्याणा के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस के सामने उसने पैसों के लेन-देन में वारदात को अंजाम देने की बात कही थी।

इन धाराओं के तहत सजा सुनाई

मामले की सुनवाई के बाद अब एएसजे नरेंद्र सिंह ने आरोपी पवन को दोषी करार दिया है। उसे हत्या के मामले में उम्रकैद व पांच हजार रुपये जुर्माना तथा अवैध शस्त्र अधिनियम में दो साल कैद व तीन हजार रुपये जुर्माना लगाया।

राशन डिपो से तेल और चीनी चुराने का आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। शहर में वार्ड एक स्थित राशन डिपो में हुई चोरी के मामले में थाना शहर गोहाना पुलिस ने दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित दीपक उर्फ शेरू जींद में सिंगलपुरा कालोनी का रहने वाला है। पुलिस ने उससे 30 लीटर सरसों तेल और 20 किलोग्राम चीनी बरामद की है। डिपो संचालक सुशील ने तीन फरवरी को शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्ति दुकान से 26 पेटी दो लीटर, पांच पेटी एक लीटर सरसों तेल, पांच कट्टे चीनी और चार हजार रुपये चोरी कर ले गए। मामले में पहले ही एक आरोपित को पकड़ा जा चुका है। दूसरे आरोपित को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

रेल लाइन किनारे पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हाथ पर शिव व त्रिशूल का टैटू

■ पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

■ युवक की शिनाख्त करने में जुटे अधिकारी

सोनीपत। सोनीपत स्टेशन के पास रेल लाइन किनारे क्षेत्र में मंगलवार रात एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी का माहौल बना रहा। मामले की सूचना लोगों ने जीआरपी थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम मौके पर बुलाई गई। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। जीआरपी थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट या युवक की पहचान के लायक कोई चीज नहीं मिली है। मृतक के हाथ पर त्रिशूल, भगवान शिव का टैटू बना हुआ है।

हेरोइन तस्करी का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ मामले में एक युवक पहले भी हो चुका गिरफ्तार

■ मामले की अन्य कड़ियों की जांच करने में जुटी पुलिस

जिले की क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी की एक पूर्व की घटना में संलिप्त दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान विशाल निवासी विकास नगर, सोनीपत के रूप में हुई है।

नशा बेचने की फिराक में था

पुलिस के अनुसार 17 जनवरी 2026 को क्राइम यूनिट कुंडली की टीम को सूचना मिली थी कि विकास उर्फ कालू पुत्र जयसिंह निवासी चिटाना हाल सेक्टर-23 सोनीपत हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पार्क सेक्टर-23 के पास छापा मारा और विकास उर्फ कालू को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से प्लास्टिक पन्नी में रखी 18.76 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना शहर सोनीपत में मादक द्रव्य पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया था।

पहले ही मुख्य आरोपित विकास उर्फ कालू को गिरफ्तार किया जा चुका था। जांच के दौरान उसके संपर्कों की जानकारी मिलने पर दूसरे आरोपित विशाल को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में अन्य कड़ियों की भी जांच कर रही है।

महिला मरीजों ने अभद्रता करने पर रेडियोलॉजिस्ट के खिलाफ दी शिकायत

कहा- शराब के नशे में की बदतमीजी अस्पताल प्रशासन ने शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ महिलाओं ने सिविल सर्जन को अलग-अलग शिकायत दी

■ एक्सरे वार्ड का मामला

दिल्ली रोड स्थित जिला के नागरिक अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट पर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर व इलाज करवाने आई दो महिला मरीजों पर अभद्रता का आरोप लगाया है। आरोप है कि 23 फरवरी सोमवार को रेडियोलॉजिस्ट ने एक्स-रे वार्ड में शराब के नशे में डॉक्टर व दोनों महिला मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार किया। जिसकी अलग-अलग शिकायत दोनों महिलाओं ने जिला सिविल सर्जन को देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित जिला नागरिक अस्पताल।

ये था मामला

गन्नौर निवासी मंजू व मनीषा ने जिला सिविल सर्जन को दी लिखित शिकायत में बताया कि वह सोमवार शाम करीब 4 व 5 बजे नागरिक अस्पताल में अपनी हड्डियों संबंधी इलाज करवाने के लिए नागरिक अस्पताल पहुंची। उक्त कक्ष में लाइट कम होने के चलते डॉ. संदीप ने उन्हें एक्स-रे वार्ड में रिपोर्ट दिखाने को कहा, ताकि वहां पर्याप्त रोशनी में वह उनकी रिपोर्ट को देख सकें।

इसके बाद वह भी डॉ. संदीप के साथ एक्स-रे वार्ड में चले गए। दोनों महिलाओं का आरोप है कि जब डॉ. संदीप उनकी रिपोर्ट देखने लगे तो इसी दौरान रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजेश दहिया ने वहां पहुंचकर गलत व्यवहार से बाते करना शुरू कर दिया। महिलाओं का आरोप है कि रेडियोलॉजिस्ट ने नशे में उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग।

मरीजों ने जिला सिविल सर्जन को शिकायत देकर मामले में जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी। अस्पताल में इस प्रकार की घटना को सहन नहीं किया जाएग।

मरीजों को गुणवत्तापरक सुविधाएं देना अस्पताल प्रशासन की प्राथमिकता है। महिला मरीजों की शिकायत पर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं बुधवार को अस्पताल में चर्चाओं का दौर चलता रहा। सूत्रों के अनुसार विभाग मामले में जांच के बाद कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

अनुशासनहीनता को सहन नहीं किया जाएगा

"महिलाओं की ओर से दी गई शिकायत का मामला संज्ञान में आ चुका है। महिला मरीजों की ओर से रेडियोलॉजिस्ट पर आरोप लगाए गए है। मामले में दोनों महिलाओं को निष्पक्ष जांच करवाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। जांच में अनुशासनहीनता पाई गई तो विभाग की ओर से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

-डॉ. ज्योत्सना, सिविल सर्जन, सोनीपत

आईसीएआई की अध्यक्ष बनीं सीए राजेश रानी मलिक

■ मोहन कुमार उपाध्यक्ष व अक्षय गर्ग सचिव चुने गए

सोनीपत। आईसीएआई सोनीपत शाखा (एनआईआरसी) की नई प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। नई समिति की अध्यक्ष सीए राजेश रानी मलिक, उपाध्यक्ष सीए मोहन कुमार, सचिव सीए अक्षय गर्ग, कोषाध्यक्ष सीए ध्रुव कुच्छल, सोनीपत निकासा अध्यक्ष सीए प्रतीक गुप्ता को बनाया गया है। पूर्व अध्यक्ष विजय लठवाल ने बताया कि नई कमेटी के साथ अन्य सदस्य सीए महेश नागपाल, सीए वरुण वत्स, सीए राजेश अरोड़ा, सीए अजय दहिया, सीए अक्षय गुप्ता, डॉ. संदीप मलिक एडवोकेट, सीए नमिता जैन, सीए हितेश ढुल व अन्य मौजूद रहे।

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते एसो. सदस्य।

प्रो. मंजू रानी रसायन अभियांत्रिकी विभाग की अध्यक्ष नियुक्त

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के रसायन अभियांत्रिकी विभाग (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग) की प्रोफेसर मंजू रानी को विभाग की अध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया गया है। उन्हें यह नियुक्ति वर्तमान कर्तव्यों के अलावा विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 की धारा 21(1) के अनुसार प्रोफेसर बृजनंदन सिंह दहिया के स्थान पर 3 वर्ष की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से दी गई है। विभाग के चेयरमैन के 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद रिक्त था। ऐसे में विभाग की शैक्षणिक व प्रशासनिक दोनों गतिविधियां प्रभावित हो रही थी। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के पश्चात उक्त आदेश की प्रति सूचना व आवश्यक कार्रवाई के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के डीन व अन्य को भेजी गई है।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

केमिकल कलर्स से जब हो स्किन प्रॉब्लम

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले साल होली में रंग-गुलाल खेलने के बाद मेरी स्किन पर दाने और रैशेज हो गए थे। कृपया कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार ऐसी प्रॉब्लम न हो।

-सौरभ, हिसार

बाजार में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग भी मिलते हैं। कई बार लोग इनका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इनके इस्तेमाल से खुद भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल का तेल या मॉयश्चराइजर लगा लें। नारियल तेल ज्यादा बेहतर रहेगा। साथ ही केवल हर्बल कलर का इस्तेमाल करें। एक ही बार मे रंग छुड़ाने की कोशिश ना करें। कई लोग एक ही बार में पूरा रंग छुड़ाने के लिए कई बार साबुन लगाते रहते हैं। ऐसा न करें। अगर थोड़ा हल्का भी हो जाए तो अगले दिन उतर जाएगा। इस तरह त्वचा को बचाया जा सकता है।

मेरी उम्र 23 वर्ष है। अभी से ही मेरे सिर के आधे से अधिक बाल सफेद हो गए हैं। कृपया बताएं कि इसकी क्या वजह है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है?

-विकास, दुर्ग

आजकल यंगस्टर्स में यह समस्या काफी देखी जा रही है। सबसे पहले आप बाजार में उपलब्ध तरह-तरह के शैंपू का बदल-बदल कर इस्तेमाल करना बंद करें। साथ ही एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें, वे आपको कुछ शैंपू और साबुन बताएंगे, उनका इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ी तो कुछ जांच कराएंगे। बगैर जांच करवाए कोई उपचार नहीं बताया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। अकसर सुबह के समय मेरी आंखों के नीचे और चेहरे पर सूजन सी लगती है। कुछ देर बाद खुद ही नॉर्मल हो जाता है। यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं, कृपया बताएं।

-एक पाठक, ई-मेल से

आंखों के नीचे सूजन आना कई बार शुगर बढ़ने के लक्षण भी होते हैं। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर शुगर की जांच कराएं। अगर वह रिपोर्ट नॉर्मल निकलती है तो फिर डॉक्टर और भी जांच कराएंगे, जिससे कारण पता चलेगा और इलाज हो सकेगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मुझे दिन भर मीठा खाने की क्रेविंग होती रहती है। प्लीज बताएं इससे मुझे डायबिटीज तो नहीं हो जाएगी? अपनी इस हैबिट को छोड़ने के लिए क्या उपाय करूं?

-कल्पेश, रायपुर

कोई भी चीज लिमिट में खाना ठीक होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा खाना नुकसानदायक होगा। सबसे पहले आप दो चीजों पर गौर करें कि आपकी शुगर कितनी है और आप फिजिकल एक्टिविटीज कितनी करते हैं? क्योंकि अगर आपकी फिजिकल एक्टिविटीज कम हैं और शुगर कंट्रोल है तो भी आपको मीठा कम खाना चाहिए। मीठे में भी ऐसे आइटम खाएं, जिसमें शुगर कम हो। डीप फ्राई वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी पिता की उम्र 74 वर्ष है। उनके गॉल ब्लैडर में स्टोन है। लेकिन डॉक्टर ऑपरेशन करने से मना कर रहे हैं। इससे उनको कोई प्रॉब्लम तो नहीं होगी? कृपया बताएं हमें क्या करना चाहिए?

-पंकज, बिलासपुर

देखिए, अगर डॉक्टर ही मना कर रहे हैं ऑपरेशन करने के लिए, तो कोई न कोई उसका कारण होगा। इसलिए आप रिस्क ना लें और डॉक्टर द्वारा बताई गयी सावधानी बरतते हुए ही ट्रीटमेंट कराएं।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। मैं जब भी ट्रैफिक में होता हूं तो बहुत घबराहट महसूस होती है। इस वजह से घर से कम निकलता हूं। ऐसा क्यों होता है? प्लीज इसका कोई कारगर उपचार बताएं।

-अवधेश, कांकेर

सबसे पहले आप डॉक्टर से संपर्क कर अपनी सारी जांच कराएं, जिससे पता चल जाएगा कि यह किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं। अगर रिपोर्ट नॉर्मल है तो इसके बाद आप मनोचिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं। कई लोगों को भीड़ से घबराहट होती है। वो इससे बचाव के उपाय बताएंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडेय

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

हेल्थ एडवाइस

संध्या पांडेय
चीफ डाइटिशियन
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

हाल के वर्षों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण वयस्कों से लेकर बच्चों में भी ओबेसिटी यानी मोटापे की समस्या बढ़ती जा रही है। असल में मोटापा कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जो अनेक बीमारियों की आशंका बढ़ाती है। वर्ल्ड ओबेसिटी डे (4 मार्च) के अवसर पर आइए जानते हैं, मोटापे से संबंधित विभिन्न पहलुओं और इस पर नियंत्रण के बारे में।

गुड हेल्थ के लिए है जरूरी ओबेसिटी को कंट्रोल करना

सारी दुनिया में ओबेसिटी एक बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम के रूप में सामने आ रहा है। इसके प्रति अवेयर करने के लिए ही वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जाता है। इस बार इस दिवस की थीम है- 8 बिलियन रीजंस टू एक्ट ऑन ओबेसिटी। इस थीम का आशय है कि दुनिया की 8 अरब आबादी के लिए मोटापे के खिलाफ कार्रवाई करने के अनेक कारण हैं। हमें हर हाल में मोटापे के प्रति सचेत रहकर इसे नियंत्रित करना है।

कैसे तय होता है मोटापा

मोटापे के आकलन की सबसे प्रमुख विधि बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) है। कमर की माप से भी मोटापे का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मान्य और प्रचलित विधि बीएमआई ही है। बीएमआई की गणना के लिए पहले किसी व्यक्ति के वजन को किलोग्राम में मापा जाता है और फिर उसे उसकी लंबाई (मीटर वर्ग) से विभाजित किया जाता है। सामान्य यानी स्वस्थ वजन वाले व्यक्ति का बीएमआई वैल्यू 23 से कम होना चाहिए। महिलाओं में कमर का घेरा 80 सेंटीमीटर से कम और पुरुषों में 90 सेंटीमीटर से कम होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को बीएमआई के संदर्भ में अपने डॉक्टर या फिर डाइटिशियन से परामर्श लेना बेहतर रहेगा।

हो सकती है ये समस्याएं

मोटापे से ग्रस्त लोगों में उच्च रक्त चाप (हाई ब्लड प्रेशर), हृदय की बीमारियां, डायबिटीज टाइप 2, स्ट्रोक, अर्थराइटिस, सोते समय खर्राटे भरना या स्लीप एप्निया जैसी समस्याओं के होने का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। मोटापे से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में अत्यधिक वजन के बढ़ने से उनके गर्भस्थ शिशु को भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा जो लोग पहले से ही उपरोक्त बीमारियों से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने वजन नियंत्रण पर डॉक्टर से परामर्श लेकर विशेष ध्यान देना चाहिए, तभी वे उपरोक्त समस्याओं को नियंत्रित कर सकते हैं। इसके अलावा जो नवयुवक या नवयुवतियां अत्यधिक मोटापे से ग्रस्त हैं, उनके अंदर कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जैसे वे शारीरिक रूप से हीनता ग्रंथि के शिकार हो सकते हैं। उन्हें लोगों से मिलने-जुलने में अच्छा महसूस नहीं होता। यही नहीं, मोटापा और बांझपन (इनफर्टिलिटी) के बीच एक गहरा संबंध है। अधिक वजन और मोटापा महिलाओं और पुरुषों दोनों में प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

ओबेसिटी के प्रमुख कारण

- जो लोग नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते या कम शारीरिक श्रम करते हैं, उनके मोटे होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटापे के अधिकांश मामलों में एक व्यक्ति जितनी कैलोरी बर्न करता है, उससे बहुत अधिक कैलोरी ग्रहण करता है। शरीर द्वारा इस्तेमाल न की जाने वाली कैलोरी वसा के रूप में संचित हो जाती है।
- लगभग हर दिन अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार ग्रहण करना या फिर अकसर जंक फूड्स लेना कालांतर में मोटापे से ग्रस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त जो लोग अपने खान-पान में फलों और सब्जियों को वरीयता नहीं देते हैं, वे भी मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं।
- अकसर तनावग्रस्त रहना कालांतर में मोटापे का कारण बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से शरीर में हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। हार्मोंस के असंतुलन की स्थिति से भी मोटापा बढ़ सकता है।
- वंशानुगत कारण से भी मोटापा बढ़ सकता है। जैसे अगर मां-बाप अपने जीवन काल में मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं तो उनकी संतानों में भी मोटापा बढ़ने की आशंका काफी ज्यादा होती है।
- थायरॉइड ग्रंथि के विकार या असंतुलन से भी मोटापा बढ़ने की काफी आशंका रहती है।

कब लें डॉक्टर से परामर्श

जिन लोगों का वजन बीएमआई के मानकों से परे जाकर बढ़ता जा रहा है या जो लोग पहले से ही मोटापे से ग्रस्त हैं, उन्हें अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर आपको अपनी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने और स्वास्थ्यकर खान-पान के संदर्भ में समुचित जानकारी देंगे। इस संदर्भ में डॉक्टर आपसे कुछ सवाल भी पूछ सकते हैं। जैसे आप डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर अन्य किसी रोग से पीड़ित तो नहीं हैं, फिलहाल आप क्या दवाएं ले रहे हैं, शराब या धूम्रपान के तलबगार तो नहीं हैं। आप कितनी देर तक व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते हैं? इसके अलावा डॉक्टर आपकी बीएमआई भी चेक कर सकते हैं और अगर आपको कोई बीमारी है तो उससे संबंधित जांच भी करवा सकते हैं। डॉक्टर आपको डाइटिशियन के पास भी रेफर कर सकते हैं और इस संदर्भ में व्यायाम या योगासन के लिए किसी विशेषज्ञ को भी रेफर कर सकते हैं। अत्यधिक मोटापाग्रस्त होने की स्थिति में वे आपको बैरियाट्रिक सर्जन से परामर्श लेने की भी राय भी दे सकते हैं।

मोटापा कम करने वाली दवाएं

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोटापा कम करने वाली दवाओं का सेवन अपने डॉक्टर से परामर्श लिए बगैर नहीं करना चाहिए। अत्यधिक मोटापा (मॉर्बिड ओबेसिटी) को नियंत्रण करने में दवाओं का एक सीमित योगदान है। ये दवाइयां डॉक्टर की निगरानी में ली जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर अपनी शारीरिक स्थिति और मेडिकल कंडीशन के अनुसार खान-पान का एक चार्ट बनवा लें और फिर उस पर अमल करें।
- मोटे अनाज या मिलेट्स वजन को नियंत्रित करने में सहायक हैं।
- अत्यधिक चिकनाईयुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें, लेकिन इस संदर्भ में याद रखें कि प्रत्येक व्यक्ति की उम्र और उसकी मेडिकल कंडीशन के अनुसार ही व्यायाम और उसका समय निर्धारित किया जाता है। इसलिए इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श जरूर लें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखें और तनाव को स्वयं पर हावी न होने दें। ऐसा इसलिए क्योंकि तनाव से भी मोटापा या वजन बढ़ सकता है। तनाव को नियंत्रित करने के लिए मेडिटेशन करें।
- खाना खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें, इससे आप ओवरईटिंग से बचे रहेंगे, जो ओबेसिटी बढ़ाने का मुख्य कारण है।
- नमक, शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स का कम से कम सेवन करें। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

मोटापे का सर्जिकल इलाज

बैरियाट्रिक सर्जरी एक प्रकार की सर्जरी है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक मोटापे का इलाज करना है। यह सर्जरी विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए होती है, जिनका बीएमआई 40 या उससे अधिक होता है, या जिनका बीएमआई 35-39.9 होता है और उन्हें मोटापे से संबंधित गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप आदि। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति ने आहार और व्यायाम के माध्यम से वजन घटाने की कोशिश की है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली, तो बैरियाट्रिक सर्जरी का विकल्प दिया जा सकता है।

प्रिकॉशन

यह सही है कि होली उल्लास-उमंग का पर्व है। लेकिन इसे मनाते हुए भी अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासतौर पर अस्थमा, हाई बीपी और डायबिटीज पेशेंट्स, अगर यहां बताए जा रहे सुझावों को अमल में लाएंगे तो उनकी तबियत नहीं बिगड़ेगी।

होली सेलिब्रेशन में बरतें सावधानी अस्थमा-बीपी-डायबिटीज पेशेंट्स

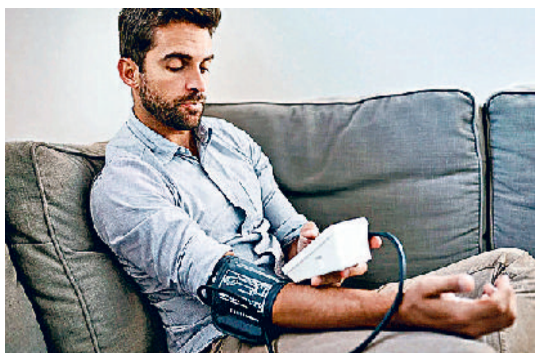

रंगों का त्योहार होली खुशियां और उमंग लेकर आता है, लेकिन अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह त्योहार और इन दिनों का मौसम कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतने की मांग करता है। हल्की सी लापरवाही उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए त्योहार का आनंद लेते हुए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए यूजफुल सजेशंस

श्वास संबंधी रोगी होली खेलते समय किन बातों का ध्यान रखें इस बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में कंसल्टेंट-पल्मनोलॉजी, **डॉ. आमिर नदीम** कहते हैं, 'होली पर उड़ने वाला गुलाल, धूल, धुआं और केमिकल युक्त रंग सांस के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं। इन कणों के संपर्क में आने से सांस की नलियों में सूजन बढ़ सकती है और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अस्थमा मरीजों को कोशिश करनी चाहिए कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों और तेज धूल-धुएं से दूर रहें। होली खेलने के लिए केमिकल वाले गहरे रंगों की जगह फूलों से बने या हर्बल रंगों का इस्तेमाल ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी का मास्क जरूर पहनें, ताकि धूल और रंग सीधे श्वास नली में न जाएं। अपना रेस्क्यू इनहेलर और नियमित दवाएं हमेशा साथ रखें और दवा समय पर लेते रहें। जिन लोगों को परागकणों (पोलेन ग्रेंस) से एलर्जी है, वे खुले पार्क या बगीचों में खेलने से बचें। होली खेलने के बाद तुरंत स्नान कर लें और कपड़े बदल लें, ताकि त्वचा और बालों पर जमे कण सांस के जरिए अंदर न जाएं। अगर सांस फूलना, सीने में जकड़न, सीटी जैसी आवाज के साथ सांस आना या तेज खांसी की समस्या बढ़े तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।'

बीपी पेशेंट्स बरतें ये सावधानियां

होली जैसे पर्व को सेलिब्रेट करते समय बीपी पेशेंट्स को भी सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** सलाह देते हैं, 'होली के दौरान खान-पान और उत्साह बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। ज्यादा नमकीन, तला-भुना और मसालेदार भोजन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, इसलिए हल्का और संतुलित आहार लें और नमक का सेवन सीमित रखें। तेज डीजे और अत्यधिक शोर भी तनाव बढ़ाकर बीपी पर असर डाल सकता है, इसलिए शांत माहौल में रहें। अपनी नियमित दवाएं समय पर लें और पर्याप्त पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन से भी बीपी असंतुलित हो सकता है। कोशिश करें कि पर्याप्त नींद लें और अत्यधिक थकान से बचें। दिन में एक बार बीपी मॉनिटर कर लेना भी फायदेमंद रहता है। अगर चक्कर, तेज सिरदर्द, घबराहट या धुंधला दिखने जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।'

डायबिटीज पेशेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

होली के मौके पर डाइट में लापरवाही बरतने से डायबिटिक पेशेंट्स की तबियत बिगड़ सकती है। इससे बचाव के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-एंडोक्राइनोलॉजी, **डॉ. साकेत कांत** सजेस्ट करते हैं, 'होली पर गुझिया, मिठाई और ठंडाई का काफी लोग सेवन करते हैं। लेकिन डायबिटीज मरीजों को मीठे का सेवन बहुत सीमित मात्रा में और सोच-समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि खाली पेट मीठा न खाएं और पहले सलाद, दाल या प्रोटीन युक्त हल्का भोजन लें, ताकि शुगर अचानक न बढ़े। दिन में नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच करते रहें और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवा या इंसुलिन समय पर लें। ज्यादा देर धूप में रहने, भाग-दौड़ या अनियमित खान-पान से भी शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है। इसलिए समय पर भोजन करें और लंबा गैप न रखें। शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, क्योंकि डिहाइड्रेशन से शुगर असंतुलित हो सकती है। पर्याप्त पानी, छाछ या बिना शक्कर वाले पेय ही लें। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

इन बातों पर भी करें अमल

होली के दौरान कुछ सामान्य सावधानियां बरतना सभी के लिए जरूरी है, इससे आप हेल्थ प्रॉब्लम्स से बचे रहेंगे।

- हमेशा हर्बल और स्किन-फ्रेंडली रंगों का ही उपयोग करें।
- शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लेते रहें।
- भीड़-भाड़, धूल और धुएं वाली जगहों से दूरी बनाए रखें तथा किसी भी असामान्य लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत, चक्कर, घबराहट या शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज न करें।

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

आमतौर पर हम लोग जिन रोगों के बारे में जानते हैं, उनके अलावा भी हजारों रोग ऐसे हैं, जिन्हें दुर्लभ माना जाता है। दुनिया भर में करोड़ों लोग इनसे ग्रसित हैं। इनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

दुर्लभ रोग सजगता के साथ संवेदनशीलता भी है जरूरी

हर साल 28 फरवरी को और लीप ईयर में 29 फरवरी को दुनिया भर में दुर्लभ रोग दिवस मनाया जाता है। यह तारीख साल की सबसे दुर्लभ तारीख का प्रतीक है ताकि ये याद दिलाया जा सके कि कुछ बीमारियां इतनी कम दिखती हैं कि वे समाज, चिकित्सा व्यवस्था और नीति निर्माताओं की नजर से भी ओझल रह जाती हैं। दरअसल, दुर्लभ रोग उन रोगों को कहते हैं, जो दुनिया के बहुत कम लोगों को होते हैं। लेकिन जिनका असर जीवन पर बेहद गहरा और अकसर आजीवन होता है। विडंबना यह है कि संख्या में कम होने के बावजूद दुर्लभ रोगों से पीड़ित लोगों की सामूहिक संख्या दुनिया भर में करोड़ों में है। शायद इसीलिए हर साल 28 या 29 फरवरी को यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है ताकि लोग दुर्लभ कही जाने वाली बीमारियों को लेकर सजग रहें।

ऐसे होते हैं दुर्लभ रोगः भारत में आमतौर पर दुर्लभ रोग उन्हें माना जाता है, जो दस हजार में से किसी एक व्यक्ति को या उससे भी कम लोगों को होते हैं। लेकिन ये रोग भले कम लोगों को होते हों, मगर इन रोगों की कम संख्या नहीं है। अब तक दुनिया में 7 हजार से ज्यादा ऐसे रोग चिन्हित किए जा चुके हैं, जिन्हें दुर्लभ रोग कहा जा सकता है। जैसे- प्रोजेरिया, फेनकोनी एनीमिया आदि। इनमें से अधिकांश रोग आनुवांशिक या जेनेटिक होते हैं यानी ये जन्म से जुड़े होते हैं। इन रोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनके लक्षण जो सामान्य बीमारियों जैसे ही दिखते हैं, लेकिन ये सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। यही कारण है कि इनके निदान में वर्षों लग जाते हैं और हां, इनका इलाज भी बहुत महंगा होता है या कोई इलाज ही नहीं उपलब्ध होता है।

पूरा जीवन होता है प्रभावितः दुर्लभ रोग किसी एक अंग या समस्या तक सीमित नहीं होते हैं। वे व्यक्ति की पूरी जीवन यात्रा को प्रभावित करते हैं। शिक्षा, रोजगार, विवाह, सामाजिक स्थिति और स्वीकार्यता जैसे सभी सामाजिक पहलुओं पर इस दुर्लभ रोग का बहुत जबर्दस्त प्रभाव पड़ता है।

स्वास्थ्य सजगता का महत्वः दुर्लभ रोग दिवस मनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य, लोगों को इनके बारे में जागरूक करना है। डॉक्टरों में, समाज में और सरकारों में, दुर्लभ रोगों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। जागरूकता बढ़ने से सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि डॉक्टर शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लेते हैं और इसके निदान में लगने वाले वर्षों को कम करके महीनों में बदल देते हैं। लेकिन ऐसा तब होता है, जब सरकारें दवाओं, रिसर्च और सहायता योजनाओं के बजट तय करती हैं और लोगों को इनकी दहशत से मुक्ति दिलाती हैं। यह दिवस बताता है कि स्वास्थ्य की गंभीर समस्याओं के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स चिंतित हैं और पीड़ित लोगों के साथ हैं। इसलिए दुर्लभ रोगों के संबंध में बीमार को समय रहते जानकारी मिलना जरूरी है कि वह आखिर किस रोग से पीड़ित है और क्या यह उसकी पिछली पीढ़ियों से चला आ रहा रोग है? अगर ऐसा होता है तो कोशिश की जाती है कि आने वाली पीढ़ियां इन विशेष रोगों से पीड़ित न हों।

अपने देश में भी है बड़ी चुनौतीः यूं तो पूरी दुनिया के लिए दुर्लभ रोग एक गंभीर समस्या हैं, लेकिन भारत के लिए भी यह विकट चुनौती हैं। अनुमान है कि देश में 7 से 9 करोड़ तक लोग किसी न किसी दुर्लभ रोग से पीड़ित हैं। विशेषकर ऐसे रोगों से पीड़ित लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या ग्रामीण क्षेत्र में होती है, जहां विशेषज्ञों की भारी कमी होती है और जांच सुविधाएं बहुत सीमित होती हैं। अधिकांश इलाज आम आदमी की सीमा से बाहर होता है यानी इलाज में खर्च आने वाला बजट आम आदमी के बस में नहीं होता। इसलिए हाल के वर्षों में सरकार ने राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति बनाई है। लेकिन यह बात भी सही है कि इस दिशा में पर्याप्त कदम उठाने के लिए अभी काफी प्रयासों और संसाधनों की जरूरत है।

दुर्लभ रोगों में समाज की भूमिकाः दुर्लभ रोग दिवस हमें सोचने पर मजबूर करता है कि सभी तरह की बीमारियों से छुटकारा पाना केवल अस्पताल के जरिए संभव नहीं है। सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। *

खबर संक्षेप

भाकियू सदस्य सत्यवान जाटायन को मातृ शोक

गोहाना। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के सदस्य गांव धनाना निवासी सत्यवान जाटायन और उनके छोटे भाई जुलाना मंडी आढ़ती एसो सचिव राजबीर सिंह जाटायन की मां मूर्ति देवी (82) का आकस्मिक निधन हो गया। स्व. मूर्ति देवी पत्नी स्व. बनीसिंह संत कबीरदास की अनन्य भक्त थीं। संत कबीर के प्रति उनकी आस्था इतनी अटूट थी कि निरक्षर होने के बाद भी उनको संत कबीर के हजारों दोहे कंठस्थ थे। 22 फरवरी को मूर्ति देवी का आकस्मिक निधन हो गया था और 2 मार्च को गांव में उनके निवास पर उनकी 17वीं की रस्म क्रिया होगी।

गोहाना। स्व. मूर्ति देवी का चित्र।

फायर ड्रिल से किया स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित

सोनीपत। हिंदू कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय विशेष राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत प्रभात फेरी और योग सत्र से हुई। योग प्रशिक्षक पंकज ने स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन का महत्व बताया। निधि गुप्ता ने डिजिटल साक्षरता पर व्याख्यान देकर साइबर सुरक्षा और तकनीक के सकारात्मक उपयोग पर जागरूक किया। ब्रह्माकुमारी संस्था की तन्वी और सुरभि ने ध्यान सत्र में आत्म-शांति और सकारात्मक सोच पर प्रकाश डाला।

हलवाई हट्टा स्थित श्रीदेवी चिट्टाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ में वार्षिक उत्सव

हर्षोल्लास से निकाली श्रीराम की बारात भजनों की धुन पर पांडव नगरी हुई धर्ममय

- कथाव्यास ने श्री रामकथा में शिव धनुष भंग, सीता-राम विवाह, परशुराम-लक्ष्मण संवाद का सुनाया प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

हलवाई हट्टा स्थित श्रीदेवी चिट्टाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ में चल रहे वार्षिक उत्सव श्री रामकथा एवं नवचंडी महायज्ञ का पांचवां दिन रहा। बड़ा बाजार स्थित पंचायती ठाकुर द्वारा मंदिर से बुधवार को बैंड बाजों के साथ श्रीराम की बारात निकाल विवाहोत्सव मनाया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने गणेश पूजन के पश्चात श्रीराम बारात का शुभारंभ किया। राम बारात में भगवान गणेश, राम दरबार, महाराजा दशरथ के साथ राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व मां दुर्गा की झांकियां आकर्षक का केंद्र रहीं। बैंड-बाजों ने धार्मिक धुनों से शहर में भक्तिमय माहौल बनाया। बारात के दौरान भजनों पर श्रद्धालुओं ने खूब नृत्य किया। इससे श्रद्धालु व पांडव नगरी धर्ममय हो उठी। इससे पहले सुबह मंदिर परिसर में मंत्रोच्चारण के साथ नवचंडी महायज्ञ किया गया।

श्रीराम बारात पंचायती ठाकुर द्वारा मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों बड़ा बाजार, हलवाई हट्टा, गंज बाजार, देवीवाड़ा, लाल दरवाजा, खारी कुआं से होते वापस कथास्थल श्रीदेवी चिट्टाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ में संपन्न हुई। कथास्थल पर हर्षोल्लास से श्रीराम विवाहोत्सव मनाया गया। तत्पश्चात कथाव्यास एवं श्रीराम कृष्ण साधना केंद्र, मुरथल के संस्थापक 1008 स्वामी डॉ. दयानंद सरस्वती यति महाराज ने शिव धनुष भंग, सीता-राम विवाह, परशुराम-लक्ष्मण संवाद के प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि श्रीराम कथा मनुष्य को भक्ति व मर्यादा का संदेश देती है। कथा के दौरान जनकपुरी में धनुष यज्ञ, श्रीराम का शिव धनुष तोड़ना, माता सीता का श्रीराम को वरमाला पहनाना, बारात वापसी का सजीव वर्णन किया गया। कथाव्यास ने बताया कि जब राजा जनक की सभा में कोई भी राजा शिव धनुष नहीं उठा पाया, तब विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम ने धनुष को भंग किया। धनुष टूटने के बाद माता सीता ने भगवान राम के गले में जयमाला डाली, जिससे सीता-राम विवाह संपन्न हुआ। इसी दौरान धनुष टूटने की आवाज सुनकर परशुराम क्रोधित होकर वहां प्रकट हुए। लक्ष्मण-परशुराम के बीच संवाद हुआ, जिसे ज्ञान व मर्यादा के रूप में प्रस्तुत किया गया। श्रीराम विवाहोत्सव के पश्चात बारात के अयोध्या वापस लौटने पर रामनगरी में हर्षोल्लास से जश्न मनाया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रधान महेश गोयल, पंडित अमित शौनक, राजेंद्र टानू कुच्छल, सुरेश गुप्ता, बीबी गुप्ता, अशोक गोयल, नरेश गोयल, अंकित गोयल, गोलू शौनक मौजूद रहे।

सोनीपत। बड़ा बाजार स्थित पंचायती ठाकुर द्वारा मंदिर से निकाली गई श्रीराम बारात में शामिल श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न की झांकी। फोटो :हरिभूमि

सोनीपत। हलवाई हट्टा में निकाली श्रीराम बारात के दौरान बैंड-बाजों की धुन पर झूमते श्रीदेवी चिट्टाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ समिति के पदाधिकारी।

सोनीपत। हलवाई हट्टा स्थित श्रीदेवी चिट्टाने वाली माता मंदिर सिद्धपीठ में कथा सुनाते कथाव्यास व श्रवण करते श्रद्धालु।

सोनीपत। अपनी मांगों को लेकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए प्रदर्शनकारी कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शन से 540 श्रमिकों ने सरकार के खिलाफ बुलंद की आवाज

मांगों को लेकर उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर मंगलवार को सोनीपत में श्रमिकों की विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर विशाल रोष प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में करीब पुरुष और महिला श्रमिकों ने भाग लेकर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने जिला उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए श्रमिक हितों से जुड़े प्रस्तावों को शीघ्र लागू करने की मांग की। यह आंदोलन ओडिशा के पुरी में आयोजित भारतीय मजदूर संघ के 21वें अखिल भारतीय त्रैवार्षिक अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के समर्थन में किया गया। श्रमिकों ने न्यूनतम पेंशन और वेतन वृद्धि, सेवा सुरक्षा, समान काम-समान वेतन, श्रम पोर्टल पुनः शुरू करने, बोनस और भत्तों में वृद्धि, पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित अनेक मांगों को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में मांग की गई कि ईपीएस-95 के तहत न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह किया जाए और इसे महंगाई भत्ते से जोड़ा जाए। ईपीएफ अंशदान हेतु वेतन सीमा 30,000 रुपये और ईएसआईसी कवरेज सीमा 42,000 रुपये निर्धारित करने की मांग रखी गई। इसके अलावा स्कीम वर्कर्स और ठेका श्रमिकों को स्थायी करने तथा 4-5 वर्ष से अधिक सेवा वाले एचकेआरएन कर्मचारियों को सर्विस एक्ट 2024 का लाभ देने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने मिड-डे मिल वर्कर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देकर समान काम-समान वेतन लागू करने की मांग भी शामिल रही।

अपने खिलाड़ियों के बल पर वैश्विक पटल पर चमकता है देश व प्रदेश का नाम : विजयपाल

- सोनीपत के पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ में तीन दिवसीय खेल महोत्सव का का हुआ रंगारंग आगाज, छात्र-छात्राओं ने किया भव्य मार्च पास्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ, कामी रोड में तीन दिवसीय खेल महोत्सव 'मेपल मिराज-2026' का आगाज रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ। पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डा. विजयपाल नैन व सचिव गौतम नैन ने कोषाध्यक्ष भोपाल सिंह, प्रबंध निदेशक कपिल भाटिया, एमडी इंजी.संघदीप शाक्य, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा.स्वीटी, कैंपस डायरेक्टर कुलदीप, रजिस्ट्रार कंवलजीत सिंह संधू व पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल की प्रधानाचार्या हिमानी दहिया के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। नेपाल से विशेष तौर पर पहुंचे विशिष्ट अतिथि अमित बाबू ढुंगाना ने भी प्रतिभागी खिलाड़ियों की हौसलाफजाई की। समारोह में छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना के साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। उद्घाटन समारोह में प्रतिभागी विभिन्न विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भव्य मार्च पास्ट किया। इस दौरान खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की शपथ दिलाई गई। पहले दिन आयोजित वॉलीबॉल मुकाबले में हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई की टीम ने पानीपत की गीता यूनिवर्सिटी की टीम को कड़े संघर्ष में 26-24 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। मेजबान पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ की टीम को तीसरा स्थान मिला। खेल महोत्सव के आयोजन में स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर विजय राणा, इवेंट कोऑर्डिनेटर अपूर्वा, कोऑर्डिनेटर आरती व कोमल, ट्विंकल, गोविंद, अशोक आदि स्टाफ सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें अतिथियों का स्वागत करते हुए पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के पदाधिकारी एवं स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। शोध टीम का स्वागत करते प्रताप स्कूल प्रबंधन। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय मणिपुर की शोध टीम ने किया प्रताप स्कूल का दौरा

खरखौदा। राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय इंफाल, मणिपुर से आई एक शोध टीम ने युवा एवं खेल मंत्रालय के नेतृत्व में संचालित महत्वपूर्ण खेल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया। जिसका उद्देश्य विद्यालय में उपलब्ध खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण पद्धतियों तथा खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास मॉडल का अध्ययन करना था। शोध टीम में संलहिया भी, पमज कावले, काबिला चानू व नंदिता हजारी शामिल रहीं। टीम ने विद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न खेल मैदानों, इनडोर-आउटडोर प्रशिक्षण सुविधाओं, आधुनिक जिमनेजियम, हॉस्टल व्यवस्था तथा खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध पोषण व पुनर्वास (रिकवरी) संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। दौरे के दौरान शोधकर्ताओं ने विद्यालय के प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों से संवाद कर प्रशिक्षण दिनचर्या, प्रतिभा पहचान प्रक्रिया, खेल विज्ञान के उपयोग तथा अनुशासनात्मक ढांचे की जानकारी प्राप्त की। शोध टीम ने प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया व दीपिका दहिया के सहयोग, मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी संगठन की असली ताकत : दहिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

भाजपा युवा मोर्चा खरखौदा मंडल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीण दहिया ने की। जिसमें जिला महामंत्री सुमित अंतिल मेहंदीपुर, संदीप राणा, मंडल प्रभारी हेमंत पाराशर, जिला मीडिया प्रभारी रोहित शर्मा सहित मंडल के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण और युवा भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष प्रवीण दहिया ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। यदि प्रत्येक बूथ पर कम से कम 10 युवाओं को जोड़ा जाए, तो संगठन की जड़ें और मजबूत होंगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाया जा सकेगा। जिला महामंत्री सुमित अंतिल ने कार्यकर्ताओं को अनुशासन, समन्वय और निरंतर जनसंपर्क बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए। संदीप राणा ने सोशल मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल माध्यमों के जरिए भी अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जा सकता है। मंडल प्रभारी हेमंत पाराशर ने मंडल टीम को आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा समझाई और प्रत्येक पदाधिकारी को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जिला मीडिया प्रभारी रोहित शर्मा ने मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की बात कही। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी, युवा सम्मेलन और जनजागरण अभियान चलाए जाएंगे, ताकि संगठन का विस्तार तेज गति से हो सके।

खरखौदा। जिला अध्यक्ष का स्वागत करते युवा मोर्चा पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। किसानों को जानकारी देते हुए विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सोनीपत। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सोनीपत स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान जींद के सौजन्य से प्राकृतिक खेती का तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम के हमेटी के निदेशक डॉ. करमचन्द ने किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि किसानों की लम्बे समय से मांग थी की जो किसान तीन दिन के प्रशिक्षण के लिए जींद या कुरुक्षेत्र नहीं जा सकते उन्हें उनके जिले में ही प्रशिक्षण करवाया जाना चाहिए। यह प्रशिक्षण अब जिला स्तर पर आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. परमिन्दर सिंह वरिष्ठ जिला विस्तार विशेषज्ञ ने बताया कि पैदावार बढ़ाने की होड़ में हम बीमारियों की फसल उगा रहे हैं। पंजाब के बाद हरियाणा देश में सर्वाधिक कीटनाशक का इस्तेमाल करने वाला राज्य बन गया है प्रदेश में 36 लाख हैक्टेयर भूमि पर कीटनाशकों का इस्तेमाल 42000 क्विंटल तक पहुंच गया है उर्वरकों पर लाखों करोड़ की सब्सिडी मिलने के बावजूद हमारा एवं मृदा का स्वास्थ्य खराब हो रहा है।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में कैडेट्स के लिए प्रेरणादायी नेतृत्व सत्र का आयोजन

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के लिए एक प्रेरणादायी नेतृत्व सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीडीएस एसएसबी के लिए अनुशंसित अभ्यर्थी अनुपमा (एआईआर-14 मेरिट) ने बतौर मुख्य वक्ता कैडेट्स का मार्गदर्शन किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने अनुपमा को बधाई देते हुए उनके द्वारा दिए टिप्स का अनुसरण करने पर बल दिया। अपने संबोधन में अनुपमा ने सशस्त्र सेनाओं में करियर के अवसरों, एसएसबी की तैयारी की रणनीतियों, आत्मविश्वास, अनुशासन तथा नेतृत्व गुणों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक प्रभावशाली नेतृत्व सत्र भी संचालित किया, जिसमें टीमवर्क, त्वरित निर्णय क्षमता और जिम्मेदारी निभाने के व्यावहारिक सूत्र सांझा किए। उनके अनुभवों और मार्गदर्शन से कैडेट्स को नई ऊर्जा और दिशा मिली। कालेज की प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह एवं एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट प्रियंका ने अनुपमा के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सोनीपत। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता का स्वागत करती कॉलेज की प्राचार्या।

सोनीपत। विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय एकेडमिक फेस्ट दिशाएं में जीवीएम ने जीती ओवरऑल सिल्वर ट्रॉफी

सोनीपत। आर्य स्नातकोत्तर कालेज पानीपत में आयोजित राज्य स्तरीय इंटर कालेज एकेडमिक फेस्ट दिशाएं में जीवीएम गर्ल्ज कालेज ने ओवरऑल सिल्वर ट्रॉफी जीती। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने छात्राओं को बेहतरीन प्रदर्शन पर बधाई दी। आर्य पीजी कालेज पानीपत के स्नातकोत्तर वाणिज्य एवं मैनेजमेंट विभाग के तत्वावधान में आयोजित एकेडमिक फेस्ट दिशाएं में जीवीएम की छात्राओं ने दमदार प्रदर्शन किया। फेस्ट की डेक्लामेशन स्पर्धा में जीवीएम की छात्रा अनुष्का ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जिन्हें 1500 रुपये के नगद पुरस्कार से नवाजा गया। क्विज कंपीटिशन में नेहा, जान्हवी और नीरज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 1100 रुपये के पुरस्कार से सुशोभित किया गया। एड मैड शो में जीवीएम की छात्राओं इशिका, मुस्कान, मोक्षी व प्रियांशी ने कालेज को द्वितीय पुरस्कार दिलाया, जिसके लिए उन्हें 1500 रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर भी सुशोभित किया गया।

आर्य समाज मॉडल टाउन में नवनिर्वाचित प्रधान ज्ञानेश्वर त्यागी का किया सम्मान

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाउन में ज्ञानेश्वर त्यागी को प्रधान पद के लिए निर्वाचित किए जाने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आचार्य सतन देव सत्यम के ब्रह्मत्व में यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें नवनियुक्त प्रधान को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। ज्ञानेश्वर त्यागी ने आर्य समाज के विकास और वेद वाणी के प्रचार-प्रसार के लिए एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपये दान स्वरूप समर्पित किए और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। महेश जुनेजा उप प्रधान, प्रमोद मल्होत्रा महासचिव और विनोद सहगल कोषाध्यक्ष पद पर पूर्ववत रहेंगे। समारोह में गीता सहगल, हरि चन्द स्नेही, सुमन भगत, इन्द्र ठक्कर, स्नेह लता डेम्बला, विवेक सपरा, राज बुद्धिराजा, संतोष खुराना सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। यज्ञोपरांत प्रसाद वितरित किया गया।

सोनीपत। हवन यज्ञ में शामिल आर्य समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

कार्यक्रम वैदिक यज्ञ समिति के 47वें वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन प्रवचन और भजनों का आयोजन

हवन करने से सुख और स्वर्ग मिलेगाः आचार्य

- भगवान ने संपूर्ण सृष्टि मानव कल्याण के लिए बनाई है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

वैदिक यज्ञ समिति के 47वें वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन प्रातःकालीन सभा में आचार्य वेदपाल ने यज्ञ और उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति ओदन रूपी यज्ञीय भावना को जीवन में धारण करता है और उसे आत्मसात करता है, वही स्वर्ग अर्थात सुख को प्राप्त करता है। ओदन का अर्थ यज्ञीय भावना से है, जो मनुष्य को परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति द्वेष से मुक्त कर आत्मा को प्रकाशमय लोक की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति बड़ों का सत्कार करता है और उनकी आज्ञा का पालन करता है, वही सच्चे अर्थों में यज्ञ करता है।

सभा में आचार्य अंकित ने कहा कि भगवान ने मनुष्य को विशेष रूप से इस संसार में भेजा है और संपूर्ण सृष्टि मानव कल्याण के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि अन्य सभी प्राणी भी मानव की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में आचार्य प्रदीप ने ईश्वर और महर्षि दयानंद की महिमा के भजनों का गायन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वेदपाठी ब्रह्मचारिणियों द्वारा मंत्रोच्चारण और उनकी गति से उपस्थित लोग प्रभावित हुए। यज्ञ का संचालन आचार्या दीक्षा आर्य ने किया। कार्यक्रम में रामगोपाल भूटानी, युधिष्ठिर गुगलानी, अशोक आर्य, पंकज बत्रा, अनीता चावला, सुमन चावला, मीनाक्षी मदन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण जन्म से जुड़े प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भक्तिभाव में किया सराबोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

क्षेत्र की सुख-शांति के लिए कैलाश कॉलोनी शांति विहार स्थित शादीपुर चौपाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का चौथा दिन रहा। कथाव्यास आचार्य जितेंद्र शास्त्री ने बुधवार को श्रीकृष्ण लीलाओं के साथ भगवान विष्णु के दशावतार का वर्णन किया। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी कथा का वर्णन करते हुए श्रीकृष्ण जन्म से जुड़े प्रसंगों से श्रद्धालुओं को भक्तिभाव में सराबोर किया। कथाव्यास ने श्रद्धालुओं के साथ भागवत पूजन कर कथा का शुभारंभ किया। कथा में मुख्य यजमान के रूप में प्रवीण तुषीर ने परिवार सहित शिरकत की। आचार्य जितेंद्र शास्त्री ने बताया कि श्रीमद्भागवमत कथा जीवन में मुक्ति पाने का सुगम मार्ग है। कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य का कल्याण संभव है। कथा में उत्तराखंड से आए संगीतकारों ने भजनों से माहौल को भक्तिमय बनाया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य मंडल व श्रीराम मंदिर धर्मार्थ समिति के सदस्यों सहित आसपास क्षेत्र के श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। सोनीपत की शादीपुर चौपाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में महिला का पटका पहनाकर सम्मान करते कथाव्यास आचार्य जितेंद्र शास्त्री।

जींद से मोहाना तक दौड़ी हाइड्रोजन ट्रेन, अपडाउन रूट पर लगाए 6 फेरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत/गोहाना

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के जींद-सोनीपत रूट पर जल्द फर्राटा भरने के कयास लगाए जा रहे हैं। बुधवार को जींद से सोनीपत के मोहाना स्टेशन तक अपडाउन रूट पर 6 फेरे लगाकर 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल लिया गया। हालांकि दिनभर हाइड्रोजन ट्रेन के सोनीपत स्टेशन तक ट्रायल लिए जाने की चर्चाओं का माहौल बना रहा। ऐसे में रेल यात्री भी हाइड्रोजन ट्रेन को एक नजर देखने के लिए उत्साहित थे, लेकिन शाम 5:30 बजे मोहाना स्टेशन से वापस ट्रेन को जींद की तरफ रवाना कर दिया गया। ट्रायल के दौरान हाइड्रोजन ट्रेन की गति, सिग्नल व ब्रेकिंग सिस्टम, ईंधन खपत जैसे सुरक्षा मानकों की जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार उच्च अधिकारियों के निर्देश पर हाइड्रोजन ट्रेन का बुधवार सुबह 8:20 बजे जींद स्टेशन ट्रायल प्रारंभ किया गया। ट्रायल में हाइड्रोजन व डीजल दोनों इंजनों का प्रयोग किया गया। साथ ही ट्रायल के दौरान ट्रेन में करीब 2600 क्विंटल वजन लोढ किया गया, ताकि बोगियों की क्षमता का ट्रायल से ही अनुमान लगाया जा सके।

सोनीपत। मोहाना स्टेशन पर ट्रायल के दौरान खड़ी हाइड्रोजन ट्रेन।

सुरक्षा मानकों को जांचा

करीब 9:45 बजे हाइड्रोजन ट्रेन को पांडू पिंडारा स्टेशन तक लाया गया। इसके बाद करीब 2 घंटे तक पांडू पिंडारा स्टेशन पर तकनीकी टीम ने ट्रेन के सुरक्षा मानकों की जांच की। इसके बाद ट्रेन को ललित खेड़ा स्टेशन तक लाया गया, यहां से वापस हाइड्रोजन ट्रेन पांडू पिंडारा स्टेशन तक चलाई गई। यहां से ट्रेन का पुनः भंभेवा स्टेशन तक परिचालन किया गया। फिर वापसी में ट्रेन पुनः पांडू पिंडारा स्टेशन पर पहुंची। इसके बाद हाइड्रोजन ट्रेन को शाम करीब 4 बजे गोहाना स्टेशन तक लाया गया, यहां से पुनः परिचालन शुरू कर सोनीपत के मोहाना स्टेशन शाम 4:30 बजे हाइड्रोजन ट्रेन का ठहराव किया गया। यहां अधिकारियों व तकनीकी टीम ने सुरक्षा मानकों की जांच की। इसके बाद शाम 5:30 बजे हाइड्रोजन ट्रेन को जींद स्टेशन की तरफ रवाना किया।

22 को तकनीकी खामी बनी थी ट्रायल में रोड़ा

ट्रेन के ट्रायल के लिए रेलवे उच्च अधिकारियों की ओर से करीब 3 माह से भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो इससे पहले भी 22 फरवरी को ट्रायल का दिन निश्चित किया गया था, लेकिन तकनीकी खामी के चलते योजना सिरे नहीं चढ़ पाई थी। दिल्ली मुख्यालय से प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर के नेतृत्व में कई रेलवे अधिकारी 23 जनवरी को जींद से सोनीपत रूट पर रेल लाइन का निरीक्षण कर जायजा लिया था। इनमें प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर प्रेम कुमार गुप्ता, सीनियन डीएन कोर्डिनेशन रोहित श्रीवास्वत व सीनियर डीएन फॉर अभिषेक बावला शामिल थे। इसके बाद रेलवे के महाप्रबंधक, दिल्ली रेल मंडल के प्रबंधक सहित उच्च अधिकारी कई बार जींद स्थित हाइड्रोजन प्लांट के चक्कर लगा चुके हैं।

जनवरी में जींद के भंभेवा तक हुआ था ट्रायल

हाइड्रोजन सेल आधारित 35 ट्रेनों के बेड़े को विकसित करने के लिए केंद्र सरकार ने 2023-24 में 2800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) ने डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डेमू) को हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक में ढालकर यह पहली ट्रेन तैयार की है। इसके कोच इंटीग्रल रेल कोच फैक्टरी चेन्नई ने बनाए हैं। इसके बाद नवंबर 2025 के अंत में तैयार ट्रेन को दिल्ली के सकूरबस्ती लाकर खड़ा कर दिया गया। वहीं दिसंबर 2025 के आखिरी सप्ताह में इसे जींद में लगाए गए हाइड्रोजन प्लांट तक पहुंचाया गया। फिर जनवरी माह में जींद के भंभेवा स्टेशन तक हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल लिया गया था।

पीएम जल्द दिखा सकते हैं हरी झंडी

अधिकारियों की हलचल के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हाइड्रोजन ट्रेन को जल्द हरी झंडी दिखाए जाने की संभावना है। बता दें कि यह दुनिया की सबसे लंबी व प्रभावशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। अगर यह कामयाबी सफल साबित होती है तो भारत दुनिया के यूके, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, अमेरिका, चीन जैसे हाइड्रोजन ट्रेनों से समृद्ध देशों में प्रभावशाली रहेगा।

पैसेंजर ट्रेनों के समान होगा किराया

रेलवे मंत्रालय की ओर सोनीपत-जींद रूट पर चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन का 7 प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव निर्धारित किया गया है। इनमें जींद, पांडु पिंडारा, भंभेवा, गोहाना जंक्शन, मोहाना व सोनीपत स्टेशन चयनित किए गए हैं। आगामी निर्णय रेल मंत्रालय की ओर से ही लिए जाएंगे। फिलहाल सोनीपत-जींद रूट पर हाइड्रोजन ट्रेन 1 घंटे में अपनी यात्रा पूर्ण कर सकेगी। इसमें सवार होने वाले यात्रियों को पैसेंजर ट्रेनों के बराबर ही आर्थिक खर्च उठाना पड़ेगा।

देश की पहली प्रदूषण मुक्त ट्रेन होगी हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली 140 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार क्षमता वाली हाइड्रोजन ट्रेन पूरी तरह प्रदूषण मुक्त है। हाइड्रोजन व ऑक्सीजन के मिलने से उत्पन्न होने वाली बिजली से इसका परिचालन किया जाएगा। इसमें धुएं की जगह केवल भाप का उत्सर्जन होगा। इंजन के साथ आठ कोच वाली दुनिया की सबसे लंबी इस हाइड्रोजन ट्रेन के दरवाजे भी स्वचालित होंगे, जो यात्रियों को सवार होने के बाद अपने आप बंद हो जाएंगे। ट्रेन का परिचालन शुरू होने से हरियाणा के जींद व सोनीपत जिला रेलवे के भी इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो जाएंगे।

खबर संक्षेप

नप चेयरपर्सन ने किया गली का शिलान्यास

गोहाना। शहर में वार्ड चार के अंतर्गत मीनाक्षी कालोनी में नगर परिषद की अध्यक्ष रजनी विरमानी ने गली का शिलान्यास किया। लगभग करीब 6. 41 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस गली में इंटरलाक टाइलें बिछाई जाएंगी। निकासी के लिए दोनों तरफ पाइपलाइन दबाई जाएगी, जिससे क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

जलवायु परिवर्तन पर दिया व्याख्यान

खरखौदा। एनएसएस कैंप का छठा दिन गोपालपुर के सरपंच विनोद दहिया के सहयोग से उत्साह एवं जोश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज इंचार्ज प्रोफेसर योगिता मालिक ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। तत्पश्चात स्वयं सेविकाओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम यादव के नेतृत्व में वंदे मातरम एवं एनएसएस गीत के साथ ही योग किया। तत्पश्चात स्वयं सेविकाओं ने शिक्षा के महत्व पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया और जागरूकता के लिए रैली निकाली। उसके बाद गोपालपुरवासी आनंद सिंह ने शिक्षा के महत्व पर वक्तव्य दिया। फिर कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेविकाओं ने ग्रामपंचायत के सहयोग हेतु उनका धन्यवाद किया।

एडीसी ने नागरिक अस्पताल का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

निर्माण कार्यों और स्वच्छता की अव्यवस्था पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने बुधवार को दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में निरीक्षण कर स्वच्छता की अव्यवस्था पर सवाल उठाएं। उन्होंने अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों के साथ वहां स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही सिविल सर्जन व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। लक्षित सरीन ने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर की स्वच्छता व सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए। नए भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण कर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। एडीसी ने कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। मरीजों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे करवाए जाएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सोनीपत(नागरिक अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेते अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन।

कचरे का जल्द उठान करें कर्मचारी

अतिरिक्त उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान टीबी विभाग के सामने बने डंपिंग स्टेशन से बाहर फैले कचरे पर नाराजगी जताते हुए स्वास्थ्य कर्मचारियों को जल्द इसका उठान करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल परिसर में जगह-जगह पड़े निर्माण कार्य के मलबे को जल्द हटवाने की बात कही, ताकि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों व उनके परिजनों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उधर प्रशासन की जागरूकता को लेकर दिनभर अस्पताल में चर्चा का माहौल रहा कि आने वाले दिनों में अस्पताल परिसर मरीजों के लिए बेहतर सुधार नजर आ सकते हैं। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग से जिला सिविल सर्जन ज्योत्सना, लोक निर्माण विभाग के उपमंडल अभियंता दिलबाग मेहरा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गांव रभड़ा में मेले का किया आयोजन

गोहाना। गांव रभड़ा स्थित बाबा मजलिस नाथ के डेरे में बुधवार को फाल्गुन मास की नवमी पर मेला आयोजित किया गया। हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश से श्रद्धालु पहुंचे और पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने यहां के प्रमुख महंत चमन नाथ और दूसरे संतों से आशीर्वाद लिया और परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। संत-महात्माओं ने प्रवचन देते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। संतों ने समाज में भाईचारा, प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। पूरे दिन डेरा परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। व्यवस्था बनाए रखने के लिए डेरे की प्रबंध समिति और स्वयंसेवकों ने विशेष इंतजाम किए।

नवज्योति शिक्षा सदन की छात्रा वृंदा ने जिला स्तर पर पाया तीसरा स्थान

गन्नौर । खुबड़ू भांवर स्थित नवज्योति शिक्षा सदन में कक्षा सातवीं की प्रतिभाशाली छात्रा वृंदा ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है और विद्यालय प्रबंधन के अनुसार वृंदा ने अपनी मेहनत, लगन और भारतीय संस्कारों के प्रति समर्पण से यह सफलता अर्जित की है। उसकी निरंतर अध्ययनशीलता और अनुशासन ने उसे यह मुकाम दिलाया। गायत्री परिवार गन्नौर के अध्यक्ष ओम प्रकाश कौशिक ने छात्रा को नकद राशि और स्मृति चिह्न भेंट किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक ने छात्रा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से परिचित कराना तथा इस अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शिक्षकों ने भी प्रोत्साहित किया।

जाखौली में बनेगा आधुनिक सरकारी महाविद्यालय भवन

क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा नया भविष्य : कृष्णा गहलावत

राई। जाखौली गांव में प्रस्तावित सरकारी महाविद्यालय भवन निर्माण को लेकर प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्माण कार्य हरियाणा पुलिस आवास निगम को सौंप दिया है। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। कॉलेज भवन का निर्माण चरणबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के अभिभावक और विद्यार्थी आधुनिक सुविधाओं से युक्त महाविद्यालय भवन की मांग कर रहे थे। अब सरकार ने इस मांग को प्राथमिकता देते हुए ठोस कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि "शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। जाखौली में नए भवन का निर्माण होने से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। विधायक ने बताया कि ग्राम पंचायत जाखौली द्वारा पारित प्रस्तावों के आधार पर शमीलात देह की 7 एकड़ 2 कनाल 19 मरला भूमि 33 वर्षों के लिए उच्च शिक्षा विभाग को पट्टे पर दी गई है। यह निर्णय ग्राम सभा की सहमति से लिया गया, जो क्षेत्र की शिक्षा के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही विकास के बड़े कार्य संभव हो पाते हैं। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि नए कॉलेज भवनों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

खो-खो इंटर कॉलेज स्पर्धा में टीकाराम गर्ल्स द्वितीय

सोनीपत। मदवि द्वारा आयोजित खो-खो इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में टीका राम गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता 23-24 फरवरी को वीएमएम कॉलेज रोहतक में आयोजित हुई, जिसमें टीम ने मोखरा कॉलेज को 10-0 से तथा एमकेजेके रोहतक कॉलेज को 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में वीएमएम कॉलेज से 5-6 से हारकर टीम उपविजेता रही। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य गीता ने छात्राओं का स्वागत किया। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका सुमन मान ने टीम के प्रयासों की सराहना की। टीका राम शिक्षा समिति के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

अवैध कटौती से किसानों को करोड़ों का नुकसान : इंदुराज

गोहाना। बरोदा विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि सरकार ने धान में नमी के नाम पर प्रति क्विंटल 2 सौ से ढाई सौ रुपये की कटौती की। इस अवैध कटौती से सरकार ने किसानों के करोड़ों रुपये हड़प लिए। किसानों को उनकी यह राशि वापस लौटाई जाए। वे विधानसभा के बजट सत्र में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा पिछले सीजन में मोटे धान का एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया था। सरकार ने धान में नमी बताकर खरीद नहीं की गई। ऐसे में 15 से 20 दिनों तक धान मंडियों में भी पड़ा रहा। ऐसे में एक तो धान का वजन काफी कम हो गया और दूसरे नमी के नाम पर प्रति क्विंटल अवैध कटौती की गई। सरकार किसानों को कटौती के पैसे वापस लौटाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को फसल खराबे का मुआवजा भी नहीं दे रही है। क्षेत्र के किसानों के वर्तमान में भी फसल बीमा की 10 करोड़ 52 लाख रुपये राशि बकाया है जिसका सरकार शीघ्र भुगतान करे। उन्होंने कहा कि खेतों में फसलों की सिंचाई के लिए खालों को पक्का करवाने और खालों की मरम्मत के लिए अलग से बजट जारी करे।

घबराई सरकार हमें घरों में कैद करना चाहती : दीवान

- मनरेगा बदलावों के विरोध में चंडीगढ़ में गूंजा कांग्रेस का हल्ला बोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में किए गए संशोधनों और कथित कटौतियों के विरोध में बुधवार को चंडीगढ़ की सड़कों पर सोनीपत कांग्रेस का जोरदार शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। हरियाणा विधानसभा के घेराव के उद्देश्य से पहुंचे कार्यकर्ताओं का नेतृत्व शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान ने किया। प्रदर्शन की सफलता का एक प्रमुख पहलू यह रहा कि सरकार और प्रशासन ने कमल दिवान (शहरी जिला अध्यक्ष) और संजीव दहिया (ग्रामीण जिला अध्यक्ष) को उनके आवास पर ही नजरबंद करने की तैयारी कर रखी थी। हालांकि, कमल दिवान ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पुलिस के पहुंचने से पहले ही चंडीगढ़ के लिए कूच कर दिया। कमल दीवान ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस के बढ़ते जनसमर्थन से घबराई हुई है। हमें घरों में कैद करने की कोशिश की गई ताकि जनता की आवाज दबाई जा सके, लेकिन हमारी रणनीति के आगे सरकार के प्रयास असफल रहे और चंडीगढ़ में हमारा प्रदर्शन पूरी तरह सफल रहा। जैसे ही कमल दीवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का काफिला सेक्टर-9 स्थित कांग्रेस कार्यालय से विधानसभा की ओर बढ़ा, चंडीगढ़ पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए कमल दिवान सहित सोनीपत के कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लेकर सेक्टर-3 थाना पहुंचाया। हिरासत के दौरान कमल दिवान ने कहा कि मनरेगा गरीबों की जीवनरेखा है और इसमें किसी भी प्रकार की कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सोनीपत। चंडीगढ़ पहुंचे सोनीपत कांग्रेस के पदाधिकारी एवं नेतागण।

ये रहे शामिल

सोनीपत से इस आंदोलन में पूर्व विधायक जगबीर मलिक, पदम सिंह दहिया और सुरेंद्र पवार शामिल रहे। संगठन पदाधिकारियों में ग्रामीण अध्यक्ष संजीव दहिया, संगठन महासचिव जयवीर अंतिल, जय भगवान अंतिल और मुकेश पन्नालाल एडवोकेट उपस्थित रहे। टीम कमल दिवान से प्रवक्ता राकेश सोढा, राजेश सेवली, हरेंद्र सैनी, सतपाल कौशिक, अमनदीप पाराशर, पायल मलिक, देवेंद्र दहिया, देवेंद्र महला और नरेंद्र ने सक्रिय भूमिका निभाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम महिला विवि के स्वावलंबन केंद्र के अंतर्गत विधि विभाग में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

विधि शिक्षा में करियर निर्माण की काफी संभावनाएं : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) के स्वावलंबन केंद्र के अंतर्गत विधि विभाग में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के अंतर्गत ईएसडीपी योजना के तहत प्रायोजित था। कार्यक्रम की आयोजक विधि विभाग की प्रभारी डॉ. राजेश हुड्डा ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विधि विभाग की छात्राओं को स्वरोजगार, स्टार्टअप एवं विधिक उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से अवगत कराना था। मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र निर्माण में उद्यमिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया तथा छात्राओं को कानूनी ज्ञान का उपयोग नवाचारी उद्यमों के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विधि शिक्षा केवल पारंपरिक वकालत तक सीमित नहीं है, बल्कि विधि क्षेत्र में स्टार्टअप, लीगल कंसल्टेंसी, साइबर लॉ, बौद्धिक संपदा अधिकार, मध्यस्थता तथा कानूनी तकनीक जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। विधि की छात्राएं अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग कर कानूनी परामर्श केंद्र, लीगल प्रोसेस आउटसोर्सिंग, विधिक शोध संस्थान तथा ऑनलाइन लीगल सर्विस प्लेटफॉर्म स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम को एमएसएमई नोडल अधिकारी प्रो. अंशु भारद्वाज ने भी संबोधित किया।

गोहाना। दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व प्रो. पुनिता दूहन। फोटो : हरिभूमि

चार तकनीकी सत्र आयोजित किए

कार्यक्रम में चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उद्यमिता कौशल एवं विधि के विविध पहलुओं जैसे स्टार्टअप के लिए कानूनी ढांचा, बौद्धिक संपदा अधिकार, व्यावसायिक अनुबंध, अनुपालन आवश्यकताएं, एमएसएमई सरकारी योजनाएं तथा महिला उद्यमियों के लिए व्यावहारिक रणनीतियां शामिल थीं। कैंपस निदेशक, दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी डॉ. पुनीता दुहन ने उद्यमिता के लिए कौशल निर्माण, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी इंद्रजीत ने व्यवसाय प्रारंभ एवं संचालन के कानूनी पहलुओं, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी अमित सिवाच ने अनुबंध एवं नियामक मुद्दों और असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी डॉ. कविता ने महिला उद्यमियों के लिए कानूनी संरक्षण एवं अवसरों पर फोकस किया।

अंग्रेजी विभाग में पूर्व छात्रा संवाद कार्यक्रम आयोजित

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा बुधवार को पूर्व छात्रा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शैक्षणिक मार्गदर्शन तथा कॅरियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। मुख्य वक्ता विभाग की पूर्व छात्रा सहायक प्राध्यापक डॉ. शिखा शर्मा थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. गीता के स्वागत संबोधन से हुआ। डॉ. शिखा शर्मा ने शोधार्थी के रूप में अपने अनुभव साझा किए तथा शोध पत्र प्रकाशित करने की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपयुक्त शोध पत्रिका के चयन, इंडेक्सिंग एवं इम्पैक्ट फैक्टर की समझ, भ्रामक जर्नल्स से बचाव तथा शैक्षणिक ईमानदारी बनाए रखने के विषय में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने मौलिकता, स्पष्ट विचार और निरंतर परिश्रम को गुणवत्तापूर्ण शोध की आधारशिला बताया तथा छात्राओं को समर्पण के साथ शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. शर्मा ने छात्राओं को अपने शैक्षणिक सफर की रणनीतिक योजना बनाने, समय का प्रभावी प्रबंधन करने तथा निर्धारित अवधि में शोध कार्य पूर्ण करने की सलाह दी। उन्होंने अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि सच्ची सफलता लक्ष्य के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता में निहित है।